Roll No. ..... Total Pages : 6

4603

M.A. (Previous) Examination, 2015

RAJASTHANI LITERATURE
Paper–III
(आधुनिक गद्य)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART–A (खण्ड–अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–B (खण्ड–ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each), Selecting *one* question from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART–C (खण्ड–स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड–अ

इकाई–I

1. (क) अन्नाराम सुदामा रचित उपन्यास 'मेवै रा रुंख' कितने भागों में विभाजित है?

(ख) 'मेवै रा रुंख' उपन्यास का पात्र सिवनाथ कितने तक पढ़ा था?

इकाई–II

(ग) 'आज री राजस्थानी कहानियां' पुस्तक में यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र' की कौन-सी कहानी है?

(घ) ''मा, सुदर्शन असूलां खातर मरयो है, वो मरयो कोनी, अम्मर होयग्यो है।'' यह किस कहानी का संवाद है?

इकाई–III

(ङ) डॉ. नेमनारायण जोशी रचित 'ओलूं री अखियातां' में कुल कितने संस्मरण हैं?

(च) ''म्हूं चसमै मांय सूं झांकती वींटी आंख्यां में जोयो तो बठै लोभ रौ समदर ठेबां मारतो दीस्यो।'' किस कहानी से लिया गया है?

इकाई–IV

(छ) लक्ष्मीकुमारी चूण्डावत की कौन-सी कहानी आपके पाठ्यक्रम में है?

(ज) "एकाध और दुवैलो इस्यो ही कोई, पण अै सै सरधिया बादल है, बानै देख'र कोई घड़ा ऊंघा मारै तो, भूल है बांरी।" 'मेवै रा रुंख' में से किसने कहा?

इकाई–V

(झ) राजस्थानी का पहला उपन्याय 'कनक सुन्दर' किस प्रकार की रचना है?

(ञ) सन् 1966 में प्रकाशित उपन्यास 'मां रो बदलो' के रचनाकार का नाम बताइए।

खण्ड–ब

इकाई–I

2. 'मेवै रा रुंख' में रचनाकार का मूल उद्देश्य संक्षिप्त में बताइए।

3. 'मेवै रा रुंख' उपन्यास के अंत में रामधन की उदासी का कारण स्पष्ट कीजिए।

इकाई–II

4. भंवरलाल सुथार 'भ्रमर' की कहानी 'तगादो' का मूल आशय क्या है?

5. रामनिवास शर्मा की कहानी 'मेरो दरद न जाणै कोय' में व्यक्त किसनी के दर्द को स्पष्ट कीजिए।

इकाई–III

6. 'ओलूं री अखियातां' में संकलित 'सुरजोनायक' के पात्र मोवन का चरित्र स्पष्ट कीजिए।

7. 'जोधराज नाई' संस्मरण में परिवर्तन की अभिव्यक्ति पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

इकाई–IV

8. निम्नलिखित अवतरण की व्याख्या कीजिए-

'बो चालतौ-चालतौ ही सोचे हो, 'कोई लड़ो चावै राजीपो करो, धन्नै री चांदी है और नीं तो जीमण रो समान तो ईरी हाट सूं ही उठै। कीरै ही मेरे चावै ब्याव हुवै, काळ पड़ै, जमानो हुवै, चावै बाढ़ आवै, ईरै पाछणै नीचै तो आणो ही पड़ै।'

9. पप्पू री कोठी मोटी है, बंटू री भी मोटी है, म्हारै कनै छोटी कोठी है। म्हे खेलां तो पप्पू री कोठी में खेलल्यां, बंटू री कोठी में खेलल्यां, म्हारै अठे भी खेलल्यां पर म्हारै अठै जगां थोड़ी है। पप्पू रै जीप है, म्हारै भी जीप है, पण बंटू रै डैडी कनै कार भी है, जीप भी है।

इकाई–V

10. राजस्थानी कहानी विकास के प्रथम चरण पर प्रकाश डालिए।

11. राजस्थानी पौराणिक कहानी का महत्व स्पष्ट कीजिए।

खण्ड–स

इकाई–I

12. अन्नाराम सुदामा रचित 'मेवै रा रूंख' कृति का औपन्यासिक तत्वों के आधार पर मूल्यांकन कीजिए।

इकाई–II

13. मनोहरसिंह राठौड़ लिखित कहानी 'सिरकती झूंपड्यां' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

इकाई–III

14. 'रजपूताणी' कहानी का मूल्यांकन अपने शब्दों में कीजिए।

इकाई–IV

15. नेमनारायण जोशी रचित संस्करण 'बस्तीराम ब्यास' का सारांश लिखिए।

इकाई–V

16. आधुनिक राजस्थानी की समाज-सुधारवादी कहानियों के बारे में अपने विचार प्रकट कीजिए।